नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
नियमावली और पाठ्यक्रम
एम0ए0 हिन्दी

1. विषय :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का विषय ''हिन्दी में स्नातकोत्तर'' होगा।

2. उद्देश्य :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी विषय का ज्ञान प्रदान करके कौशल विकसित करके, उचित दृष्टिकोण और व्यवहार को विकसित करना जो छात्रों के भविष्य निर्माण में सहायक हो।

3. समयावधि :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की सम्पूर्ण समयावधि दो वर्षों की होगी जो कि चार सेमेस्टर में विभाजित होगी।

4. स्थान :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में 120 छात्रों का प्रवेश प्रत्येक सेमेस्टर के लिए किया जायेगा।

5. योग्यता :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम म हिन्दी एक विषय के रूप में लेकर बी0ए0 उत्तीर्ण छात्र प्रवेश का पात्र होगा।

6. प्रवेश नीति :

नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के नियमानुसार।

7. कोर्स का विषय :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम दो भागों में विभाजित होगा।

(1) सैद्धान्ति प्रश्न–पत्र

(2) मौखिक एवं प्रायोगिक

8. सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के प्रत्येक सेमेस्टर में चार लिखित सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर का चौथ प्रश्न–पत्र वैकल्पिक होगा। छात्र अपनी रूचि अनुसार चतुर्थ प्रश्न–पत्र में दिये गये विकल्प का चयन कर सकेंगे।

9. मौखिक एवं प्रायोगिक :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा होगी।

10. अंक विभाजन :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रत्येक प्रश्न–पत्र अधिकतम 100 अंकों का होगा। द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा क्रमशः 100–100 अंकों की होगीं

11. उत्तीर्णांक एवं श्रेणी विभाजन :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रत्येक सेमेस्टर के प्रत्येक प्रश्न–पत्र का उत्तीर्णांक 36 अंक होगा। 48% अंक से 59% अंक प्राप्त करने वाला छात्र/छात्रा द्वितीय श्रेणी में 60% से अधिक अंक प्राप्त करने वाला विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में एवं 36% से 47% तक अंक प्राप्त करने वाला विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण माना जायेगा।

प्रश्न पत्रों का विवरण :

हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि

एम0ए0 हिन्दी, प्रथम वर्ष

सेमेस्टर 1 नोट : विभागीय आंतरिक अंक – 20 समस्त प्रश्न पत्र हेतु

(1) प्रथम प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं भक्तिकालीन हिन्दी काव्य 80

(2) द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य 80

(3) तृतीय प्रश्न पत्र : आदिकालीन एवं भक्तिकालीन हिन्दी साहित्य 80

(4) चतुर्थ प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा 80

सेमेस्टर 3 नोट : विभागीय आंतरिक अंक – 20 समस्त प्रश्न पत्र हेतु

(1) प्रथम प्रश्न पत्र : छायावादी हिन्दी काव्य 80

(2) द्वितीय प्रश्न पत्र : काव्य शास्त्र अथवा साहित्य सिद्धान्त 80

(3) तृतीय प्रश्न पत्र : प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं जनसंचार 80

(4) चतुर्थ प्रश्न पत्र : (वैकल्पिक प्रश्न–पत्र) 80

(1) हिन्दी आलोचना साहित्य

(2) नाटक और रंगमंच

(3) हिन्दी उपन्यास

(5) पंचम प्रश्न पत्र : मौखिकी एवं प्रायोगिक

(1) सेमिनार, संगोष्ठी, शैक्षिक भ्रमण, अधिन्यास आदि हेतु 50 अंक

(2) मौखिक परीक्षा 50 अंक।

एम0ए0 हिन्दी, द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर 3 नोट : विभागीय आंतरिक अंक – 20 समस्त प्रश्न पत्र हेतु

(1) प्रथम प्रश्न पत्र : छायोवादोत्तर एवं स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी काव्य 80

(2) द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक भारतीय साहित्य 80

(3) तृतीय प्रश्न पत्र : प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं जनसंचार 80

(4) चतुर्थ प्रश्न पत्र : (वैकल्पिक प्रश्न–पत्र) 80

(1) हिन्दी आलोचना साहित्य

(2) नाटक और रंगमंच

(3) हिन्दी उपन्यास

सेमेस्टर 4 नोट : विभागीय आंतरिक अंक – 20 समस्त प्रश्न पत्र हेतु

(1) प्रथम प्रश्न पत्र : स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य 80

(2) द्वितीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र 80

(3) तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्यिक निबन्ध अथवा लघुशोध–प्रबन्ध 80

(4) चतुर्थ प्रश्न पत्र : (वैकल्पिक प्रश्न–पत्र) 80

(1) पत्रकारिता प्रशिक्षण

(2) अनुवाद विज्ञान

(3) पाठालोचन

(4) भाषा शिक्षण

(5) पंचम प्रश्न पत्र : मौखिकी 100

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र
प्राचीन एवं भक्तिकालीन हिन्दी काव्य 4 केडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 10	= 30
तीन सप्रसंग व्याख्या	3 × 10	= 30
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

यूनिट 1

- **चंदबरदाई** : पृथ्वीराज रासो (कयमास वद्य/पदमावती समय)
- **विद्यापति** : कीर्तिलता (प्रथम पल्लव/द्वितीय पल्लव), पदावली (सं0 शिव प्रसाद सिंह) पद सं0 – 3, 5, 8, 0, 10, 12, 14, 26, 28, 36, 41, 51, 52, 56, 58, 61, 78

यूनिट 2

- **कबीर** : कबीर ग्रन्थावली (सं0 श्याम सुन्दर दास)
  साखी – विरह को अंग, ज्ञान विरह को अंग, निहकर्मी पतिव्रता..... .....अंग।

यूनिट 3

- **जायसी** : पद्मावत – मानसरोदक खंड, नागमती विहर–वर्णन।
- **सूरदास** : भ्रमरगीत सार (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) पद सं0 21 से 70 तक

यूनिट 4

- **तुलसीदास** : रामचरित मानस (उत्तर काण्ड)

ग्राम विकास में उपर्युक्त पाठ्यक्रम की उपयोगिता।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र
आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य 4 केडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 10	= 30
तीन सप्रसंग व्याख्या	3 × 10	= 30
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

. **निबन्ध :**

- बालमुकुन्द गुप्ता – श्रीमान् का स्वागत
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – श्रद्धा भक्ति
- हजारी प्रसाद द्विवेदो – अशोक के फूल
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

यूनिट 2

. **उपन्यास :**

प्रेमचन्द्र – गोदान
श्री लाल शुक्ल – रागदरबारी

कहानी :

प्रेमचन्द्र – कफन
अमरकान्त – डिप्टी कलेक्टरी भीष्म साहरनी – (चीफ की दावत) निर्मल वर्मा (परिन्दे), मन्नू भण्डारी–यही सच है।

यूनिट 3

नाटक :

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा।
- जयशंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त
- मोहन राकेश – अषाढ़ का एक दिन

यूनिट 4

एकांकी :

- राजकुमार वर्मा – चारूमित्रा
- जगदीश चन्द्र माथुर – भोर का तारा
- भुवनेश्वर – ऊसर
- उपेन्द्र नाथ अश्क – तौलिए

- ग्राम विकास में उपर्युक्त पाठ्यक्रम की उपयोगिता।

यूनिट 5

अनुशंसित ग्रन्थ :

- हिन्दी गद्य का इतिहास – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- बालकृष्ण भट्ट – व्यक्तित्व एवं कृतित्व, मधुकर भट्ट – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- गोदान का महत्व – प्रो0 सत्य प्रकाश मिश्र
- प्रेमचन्द्र और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह
- . नई कहानी संदर्भ और प्रकृति – देवी प्रसाद अवस्थी
- . हिन्दी नाटक, उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स दि।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र

आदिकालीन एवं भक्तिकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 15 = 60
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2 = 10
बीस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1 = 10
विभागीय आंतरिक अंक	= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- **हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन एवं आदिकाल :**

  हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा, प्रमुख इतिहास लेखक और उनके ग्रंथ की विशेषता एवं महत्व, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन सम्बन्धी प्रमुख समस्याएँ और समाधान।

- **आदिकाल :**

  नामकरण–समस्या और औचित्य, आदिकाल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आदिकाल का प्रारम्भ, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की विशेषताएँ। सिद्ध और नाथ साहित्य जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य।

यूनिट 2

- **भक्तिकाल :**

  भक्ति–आन्दोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक, दार्शनिककार मुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

यूनिट 3

- **हिन्दी सन्त काव्य :**

  सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि–कबीर, नानक, दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमख विशेषताएँ भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान।

- **हिन्दी सूफी काव्य :**

  भारत में सूफी मत का उदय और विकास, सूफीमत के सामान्य सिद्धान्त, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य–ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।

यूनिट 4

- **हिन्दी कृष्ण काव्य :**

  विविध सम्प्रदाय, बल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूर सागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी) भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य, मीरा और रसखान।

- **हिन्दी राम काव्य :**

  विविध सम्प्रदाय, रामभक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्व।
  ग्राम विकास में उपर्युक्त पाठ्यक्रम की उपयोगिता।

यूनिट 5

आन्ररिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।

• हिन्दी साहित्य का आदिकाल–हजारो प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना।
• हिन्दी साहित्य का इतिहास–सं0 डा0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
• हिन्दी साहित्य का इतिहास – प्रो0 राम किशोर शर्मा
• हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक) डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
• साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
• साहित्य का इतिहास दर्शन – सुमन राय।
• हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राय।
• हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
• हिन्दी साहित्य का प्रवृत्ति परक इतिहास – डॉ0 सभापति मिश्र।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा 4केडिट

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक पश्न	3 × 10	= 30
तीन सप्रसंग व्याख्या	3 × 10	= 30
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- **भाषा विज्ञान :**
  - भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषिक प्रकार्य, भाषा संरचना। भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।
  - भाषा विज्ञान – परिभाषा एवं स्वरूप, अंग, प्रमुख्य अध्ययन पद्धतियाँ, भाषा एवं सम्प्रेषण।

यूनिट 2

- **स्वन प्रक्रिया :**

  स्वन विज्ञान – परिभाषा, स्वन, संस्वन और स्वनिम। औपचारिक स्वन विज्ञान (स्वन यंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया), स्वन परिवर्तन के कारण दिशाएं।

  स्वमिन विज्ञान – परिभाषा, स्वनिम के भेद – स्वनिम और उपस्वनिम, स्वनिम वितरण के सिद्धान्त।

- **व्याकरण :**

  रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद) सम्बन्ध तत्व ओर अर्थ तत्व, रूप, संरूप, रूपिम और स्वनिम, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण।

वाक्य विज्ञान – वाक्य विज्ञान की परिभाषा, अभिहितान्वय वाद और अन्तिवताभि धानवाद संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य–रचना में परिवर्तन – कारण एवं दिशाएं।

यूनिट 3

- **अर्थ विज्ञान :**

  अर्थ की अवधारणा, शब्दार्थ सम्बन्ध विवेचन, पर्याय, विलोमता और अनेकार्थकता, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।

- **भाषा विज्ञान और साहित्य :**

  भाषा विज्ञान और साहित्य, साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता, साहित्य और ध्वनि विज्ञान, साहित्य और रूप विज्ञान (पद विज्ञान), साहित्य आर वाक्य विज्ञान, साहित्य और अर्थ विज्ञान।

यूनिट 4

- **हिन्दी भाषा :**
  - उत्पत्ति, क्षेत्र, विकास और नामकरण तथा विशेषताएं, विश्व की भाषाओं में हिन्दी, भारोपीय परिवार और हिन्दी, भारतीय आर्य भाषाएं–प्राचीन, मध्ययुगीन, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण, हार्नले, ग्रियर्सन, चटर्जी का वर्गीकरण। पालि, प्राकृत अपभ्रंश और भारतीय आर्य भाषाएं, अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) अपभ्रंश का अर्थ और स्थिति, अपभ्रंश और पुरानी हिन्दी, अपभ्रंश से विकसित होने वाली आधुनिक आर्य भाषाओं–बोलियों का विकास, विस्तार, विशेषता, बोली, विभाषा और भाषा में अन्तर, खड़ी बोली, अवधी, ब्रजभाषा का काव्य भाषायी रूप।
  - हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी का स्वनिम व्यवस्था, खण्ड्या खडयेत्तर हिन्दी शब्द रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना, लिंग, वचन, कारक व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य रचना का पदक्रम और अन्विति।
  - हिन्दी का विविध रूप : सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।
  - हिन्दी कम्प्युटिंग : कम्प्यूटर का उद्‌भव एवं विकास, इतिहास, आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण।
  - देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- भाषा विज्ञान – भोला नाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
- सामान्य भाषा विज्ञान – बाबू राम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
- हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास – उदय नारायण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
- भाषा और समाज – राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

  राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएं और समाधान – देवेन्द्र नाथ शर्मा, लोक भारती, इलाहाबाद।
- भारत की भाषा समस्या – राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- सम्पर्क भाषा हिन्दी–सं0 सुरेश कुमार, ठाकुर दास केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
- राजभाषा हिन्दी – प्रचलन और प्रसार – डॉ0 रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना।
- हिन्दी भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और लिपि – प्रो0 रामकिशोर शर्मा, इलाहाबाद।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र
छायावादी हिन्दी–काव्य 4 क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 10	= 30
तीन सप्रसंग व्याख्या	3 × 10	= 30
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- **जयशंकर प्रसाद** : लहर–(सम्पूर्ण), कामायनी–आशा सर्ग, लज्जा सर्ग, ईर्ष्या सर्ग, रहस्य सर्ग।

यूनिट 2

- **सुमित्रानन्दन पंत** : चिदम्बरा से – 'युग उपकरण, समाजवाद, गांधीवाद, वाणी, मजदूरनी के प्रति, हिमाद्रि और समुद्र, चंद्रोदय, स्वर्णोदय, लोक सत्य, गीत विहग, आत्मिका।

यूनिट 3

सूर्यकान्त त्रिपाठी : निराला – अपरा (बादल राग, जूही की कली, जागो फिर एक बार, सन्ध्या–सुन्दरी, सखि बसंत आया, स्वागत, बादल राग–2, विधवा, वसन बासंती लेगी, वनबेला, भिक्षुक) राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता, तुलसीदास।

यूनिट 4

- **महादेवी वर्मा** : यामा (निशा को धो देता राकेश, रतजकणों के मृदुल तूलिका, चुभते ही तेरा अरूण बान, शून्यता में निद्रा की मुझसे प्रिय! फिर परिचय क्या, शून्य मन्दिर में बनूँगी आज मैं प्रतिमा तुम्हारी, शलभ में शापमय वर हूँ, फिर विकल है प्राण मेरे, रजत रश्मियों की छाया में।
- **द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित कवियों का अध्ययन प्रस्तावित है :** मुकुटधर पाण्डेय, माखन लाल चतुर्वेदी, राम कुमार वर्मा, हरिकृष्ण प्रेमी, जानकी बल्लभ शास्त्री।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- जयशंकर प्रसाद – नन्द दुलारे बाजपेयी, भारतीय भंडार, इलाहाबाद।
- . कामायनी – एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- निराला की साहित्य–साधना (तीन भाग) – डॉ0 राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- . महादेवी – राधा कृष्ण मूल्यांकन माला, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- महादेवी – दूधनाथ सिंह।
- . निराला एक आत्महत्या आस्था – दूधनाथ सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद।
- नव जागरण और छायावाद – डॉ0 महेन्द्रनाथ राय, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रसाद का काव्य – डॉ0 प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
- . सुमित्रानन्दन पंत – जीवन और साहित्य – शान्ति जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। भाग–1, 2
- . पंत का काव्य और युग – यज्ञदेव शल्य, किताब महल, इलाहाबाद।
- . छायावादी कवियों के काव्य – सिद्धान्तों का तुलनात्मक मूल्यांकन – डॉ0 आशीष कुमार मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, ने0ग्रा0भा0 विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- . जयशंकर प्रसाद के काव्य – सृजन की प्रक्रिया – डॉ0 ममता मिश्रा, रीडर, हिन्दी विभाग, ने0ग्रा0भा0 विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र
भारतीय काव्य शास्त्र अथवा साहित्य सिद्धान्त 4 क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

दो आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15	= 30
तीन व्याख्याएँ	3 × 10	= 30
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
दस अति लघुउत्तरीय	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- **भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास** – सामान्य परिचय।
- काव्य का लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।

यूनिट 2

- **रस–सिद्धान्त** – ध्वनि की अवधारणा, रसनिष्पत्ति और साधारणीकरण।
- **ध्वनि–सिद्धान्त** – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्त्व।

यूनिट 3

- **अलंकार** – सिद्धान्त–अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- **रीति–सम्प्रदाय** – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।

यूनिट 4

- वक्रोक्ति–सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्त्व।
- **औचित्य सिद्धान्त** – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्त्व।
- ग्राम विकास में उपर्युक्त पाठ्यक्रम की उपयोगिता।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- काव्य शास्त्र की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- भारतीय साहित्य शास्त्र – गणेश त्रयंवक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना।
- रसमीमांसा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
- भारतीय काव्य शास्त्र के नए क्षितिज–राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- ध्वनि सम्पदाय और उनके सिद्धान्त–भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी।
- हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- रस–सिद्धान्त–देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र
रीतिकालीन एवं आधुनिक कालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास 4 क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आलोचनात्मक)	4 × 15	= 60
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
बीस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- **रीतिकाल :**

  भक्ति काव्य के विघटन के कारण, सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कविता की विविध धारायें–रीतिबद्ध (प्रमुख कवि और काव्य), रीति मुक्त (प्रमुख कवि और काव्य), रीतिकाल की अन्य प्रवृत्तियाँ–वीर, नीति, भक्ति और अन्य। रीति मुक्त एवं स्वच्छन्दतावादी काव्य धारा (वैयक्तिकला, सामाजिक यथार्थन्मुखता, विद्रोह वृत्ति, भाषिक सजगता)। रीति काव्य और ललित कला।

यूनिट 2

- **आधुनिक काल :**

- आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण। भारतेन्दु युग के प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
- **द्विवेदी युग :**
  महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

यूनिट 3

- **छायावाद और उसके बाद :**
  छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं, छायावाद के प्रमुख कवि प्रसाद निराला, पन्त और महादेवी, उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता।

यूनिट 4

- **हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ :**
  हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, संस्मरण रेखाचित्र) आदि का विकास।
- ग्राम विकास में उपर्युक्त पाठ्यक्रम की उपयोगिता।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
- . हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ0 रामकुमार वर्मा।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास–सं0 डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- . हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- समकालीन हिन्दी कविता–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली।
- . हिन्दी गद्य साहित्य–रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास–प्रो0 राम किशोर शर्मा।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
(वैकल्पिक) किसी एक का चयन करें 4क्रेडिट
(1) पालि

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 10	= 40
तीन सप्रसंग व्याख्या	3 × 10	= 30
दस लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- **पालि जातकावली** – पं0 बटुक नाथ शर्मा (1 से 12 जातक तक)
- . **धम्म पद** – भिक्षु धर्मरक्षित (1 से 12 बगा तक)

यूनिट 2

- **व्याकरण** – स्वर सन्धि–सरलोपों सरे, परोवाचि, न देवाय–वाष्णनने लीलता, यवा सरे, सवो न, गोस्सा, वड0 71 व्यंजन सन्धि–व्यष नेदवीधरस्सा, सरम्हादे, चतुत्थ दुतिये वण्णं ततित पटमा, वे वा, ए ओ न प वण्णे,

यूनिट 3

5–नामरूप पुल्लिंग–अस, मुनि, दंडी, भिक्षु, गो। स्त्रीलिंग–लता, रति, इत्थी, धेनु चहाँ। स्वर और व्यंजन परिवर्तन के सामान्य नियम।

यूनिट 4

शब्द रूप – बुद्ध, फल, लता, मुनि, इत्थी।

संज्ञा सर्वनाम – भिक्खु, गो, अन्त अम्ह, तुम्ह, त
कृदन्त – तब्ब, जनीय, न्त, मान, इस
धातु रूप – भू, हस्, पठ्।

यूनिट 5
आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- पालि महा व्याकरण – भिक्षु जगदीश कश्यप, बोधि महासभा, सारना वाराणसी।
- . पालि साहित्य का इतिहास – भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(1) अपभ्रंश 4केडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 10	= 40
तीन सप्रसंग व्याख्या	3 × 10	= 30
दस लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- **सरहपा दोहा कोश** – 20 छन्द प्रारम्भ के
- . **कण्हपा दोहा कोश** – 11 छन्द प्रारम्भ के
- **पाहुड़ दोहा** – मुनि राम सिंह – 15 छन्द प्रारम्भ के

यूनिट 2

- . **हेमचन्द्र** – नीति सम्बन्धी – 15 छन्द प्रारम्भ के
- . **श्रृंगार सम्बन्धी** – 15 छन्द प्रारम्भ के
- **वीर गाथा वर्णन** – 10 छन्द प्रारम्भ के

यूनिट 3

- . **विद्यापति** – कीर्तिलता – 6 छन्द प्रारम्भ के
- **अर्ब्दुर रहमान** – संदेश रासक – 50 छन्द प्रारम्भ के
- अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

यूनिट 4

- . अपभ्रंश साहित्य का व्याकरण – स्वर विचार, स्वर परिवर्तन, स्वर लोप।

यूनिट 5
आन्तरिक परीक्षा

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(3) लोक साहित्य 4 क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 10	= 40
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
विभागीय आंतरिक अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- लोक और लोक – वार्ता, लोक वार्ता और लोक विज्ञान।
- . लोक संस्कृति – अवधारणा, लोक वार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य।
- लोक साहित्य – अवधारणा, संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता।

यूनिट 2

- . हिन्दी के आरम्भिक साहित्य में लोक तत्त्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक लोक–साहित्य का अन्तः सम्बन्ध। लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
- . हिन्दी लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता। लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।

यूनिट 3

- लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण।
- लोक गीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नृत्य नाट्य, लोक संगीत।
- . लोक गीत – रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, भवाई संपेड़ा विदेशिया, माँच, भाँड़, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।

यूनिट 4

- . हिन्दी लोक नाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
- लोक कथा – व्रत–कथा, परी–कथा, नाम–कथा, बोध–कथा, कथानक–रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय।
- . लोक गाथा : ढोल मारू, गोपी चन्द्र भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयन्ती, लैला–मजनूँ, हीर–राझाँ, साहनी–महिवाल, लोरिक–चंदा, बगडावत, आल्ता–हरदौल।
- . लोक नृथ्य नाट्य।
- . लोक संगीत : लोक वाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें।
- . लोक भाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- भोजपुरी और उसका साहित्य – डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय।
- . लोक साहित्य की भूमिका – डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय।
- लोक साहित्य – सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ0 श्रीराम शर्मा।
- लोक साहित्य – डॉ0 द्विजराम यादव।
- . भोजपुरी भाषा ओर साहित्य – डॉ0 उदय नारायण तिवारी।

6 • मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ0 श्याम परमार।

- भोजपुरी ग्राम्य गीत – आर्चर।
- . चारण गीत – डॉ0 राम सिंह
- ब्रजलोक साहित्य का अध्ययन – डॉ0 सत्येन्द्र।
- . लोक साहित्य की भूमिका – त्रिलोचन पाण्डेय।
- . लोक साहित्य की रूपरेखा – डॉ0 'शरतेन्दु'
- . लोक साक्षी – पुराण साक्षी – डॉ0 आर्या प्रसाद त्रिपाठी।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(3) जनपदीय भाषा साहित्य 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	3 × 10	= 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15	= 30
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
बीस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- भोजपुरी एवं अवधी भाषा का इतिहास–विकास।
- भोजपुरी एवं अवधी भाषा का इतिहास–विकास।

यूनिट 2

- भोजपुरी एवं अवधी के प्रमुख रचनाकार एवं कृतियाँ।

यूनिट 3

- व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों हेतु निम्नांकित रचनाकार एवं उनके वाक्यांश पढ़े जायेंगे।

  (1) विद्यापति (2) देव अथवा भूषण (3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (4) जगदीश गुप्त (5) मुल्ला दाऊद कृत चांदायन (स्तुति खण्ड) (6) वना दास कृत उभय प्रबोध रामायण से एक अंश (7) विश्वनाथ पाठक कृत 'सर्व मंगला' का प्रथम सर्ग; (8) ब्रज एवं अवधी के 'संस्कार' परक लोकगीत।

यूनिट 4

द्रुत पाठ हेतु :

- दामोदर पंडित कृत 'उक्ति व्यक्ति प्रकरण'
- नन्ददास, नाभादास, गुरू गोविन्द सिंह, राजा लक्ष्मण सिंह, श्रीधर पाठक सोम ठाकुर।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- अवधी लोकगीत और परम्परा – डॉ0 इन्दु प्रकाश पाण्डेय।
- . हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उदय नारायण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
- हिन्दी गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- . हिन्दी साहित्य – उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)

मौखिक एवं प्रायोगिक 2 केडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

पाठ्यांश एवं अंक विभाजन

1.	कार्यशाला	10 अंक
2.	संगोष्ठी	10 अंक
3.	शैक्षिक भ्रमण	10 अंक
4.	अधिन्यास	20 अंक
5.	मौखिक	50 अंक

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र

छायावादोत्तर एवं स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी काव्य 4केडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 10	= 30
तीन सप्रसंग व्याख्या	3 × 10	= 30
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- हरिवंश राय बच्चन – आधनिक कवि–बुद्ध और नाचघर।
- . नवीन – सुन्दर आकांक्षा का शव, कलिका इक बबूल पर फूली, ओ हिरनी की आँखों वाली, भ्रमजाल (1–8 स्तवक) अग्नि दीक्षा काल, मानव की क्या अन्तिम गतिविधि (1–5 स्तवक)।
- अज्ञेय – असाध्य वीणा, बावरा अहेरी।

यूनिट

2• . मुक्तिबोध – अँधेरे में।

- धूमिल – संसद से सड़क तक, पटकथा।
- . रघुबीर सहाय – हँसों हँसो जल्दी हँसो। (चुनी हुई कविता–दो अर्थ का भय, आज का पाठ है, हँसो हँसो जल्दी हँसो, चेहरा हैं हैं हैं) आत्महत्या के विरूद्ध।

यूनिट 3

- नागार्जुन – प्रतिनिधि कविताएं, सं0 डॉ0 – नामवर सिंह। (पतिबद्ध हूँ, हरिजन गाथा, पैने दातों वाली, अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद।
- केदार नाथ सिंह – प्रतिनिधि कविताएँ, सं0 परमानन्द श्रीवास्तव (चुनी हुई कविताएं – रोटी, जमीन, पानी से घिरे हुए लोग, बनारस, टूटा हुआ ट्रक)।

यूनिट 4

- . केदार नाथ अग्रवाल – टूटा तारा, कैंकरीला मैदान, शाश्वत सत्य, पत्थर, ज्यामितीय जीवन।

10. गिरिजा कुमार माथुर – बौनों की दुनिया, माटी और मेघ, पन्द्रह अगस्त, अधूरा गीत, मशीन का पुर्जा, विदा का समय।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली।
- . अज्ञोय और नयी कविता – चन्द्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
- समकालीन कविता का यथार्थ – परमानन्द श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।
- . आधुनिक काव्य का परिपक्ष्य – प्रो0 रघुवंश।
- तार सप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक–सं0 अज्ञेय, ज्ञानपीठ
- . भाषा ओर संवेदना – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कविता के नये प्रतिमान – डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- . मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया – अशोक चक्रधर।
- . नयी कविता और अस्तित्ववाद – डॉ0 राम विलास शर्मा।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र

आधुनिक भारतीय साहित्य 4 केडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 10	= 40
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- . भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।

यूनिट 2

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
- . हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

यूनिट 3

- बंगला साहित्य का इतिहास।
- . बंगला और हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।
- उपन्यास – अग्नि गर्भ (बंगला) महाश्वेता देवी।

यूनिट 4

- . कविता संग्रह – वर्षा की सुबह (उड़िया) सीताकांत महापात्र।
- नाटक – घासीराम कोतवाल (मराठी) विजय तेंदुलकर।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- भारतीय साहित्य – सं0 डॉ0 नगेन्द्र
- . आज का भारतीय साहित्य – साहित्य अकादमी, दिल्ली।
- बंगला साहित्य का इतिहास – सुकुमान सेन।
- . बंगला साहित्य का इतिहास – कल्याणी दास।
- भारतीय साहित्य कोश।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र
प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं जनसंचार 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 15	= 60
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- . **कामकाजी हिन्दी :**
  - हिन्दी के विभिन्न रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
  - कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख पकायः प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।
  - पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त।
  - ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की परिभाषाक शब्दावली (निर्धारित शब्द)

यूनिट 2

- **हिन्दी कम्प्यूटिंग :**
  - कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, लैब पब्लिशिंग का परिचय।
  - इंटरनेट : सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट–समय, मितव्ययिता के सूत्र।
  - वेब पब्लिशिंग।
  - इंटर–एक्सप्लोइट अथवा नेटस्कोप
  - लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग, हिन्दी साफ्टवेयर, पैकेज।

यूनिट 3

- **पत्रकारिता :**
  - पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
  - हिन्दी पत्राकारिता का उद्भव एवं विकास।
  - हिन्दी पत्रकारिता इतिहास लेखन।
  - समाचार लेखन कला।
  - सम्पादन के आधार भूत तत्व।
  - व्यावहारिक प्रूफ शाधन।
  - शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक सम्पादक।
  - सम्पादकीय लेखन।
    पृष्ठ सज्जा।
  - साक्षात्कार, पत्रकार–वार्ता एवं प्रेस प्रबन्धन।
  - प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

यूनिट 4

- **मीडिया लेखन :**
  - जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ।

- विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
- श्रव्य माध्यम (रेडियो)
- मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोतीज। दृश्य श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो), दृश्य माध्यमों म भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य। पार्श्ववाचन (वायर ओवर)। पटकथा लेखन। टेली ड्रामा/डॉक्यू–ड्रामा, संवाद लेखन। साहित्य विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण। विज्ञापन की भाषा।

- इंटरनेट : सामग्री सृजन।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- प्रयोजन मूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग–राम प्रकाश/दिनेश गुप्त राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- . प्रशासनिक हिन्दी – राम प्रकाश/दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- समाचार एवं प्रारूप लेखन–राम प्रकाश/दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- प्रयोजन मूलक हिन्दी – डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा एवं डॉ0 राम किशोर शर्मा।
- . कम्प्यूटर और हिन्दी – हरिमोहन – तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(1) हिन्दी आलोचना साहित्य 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	3 × 10	= 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15	= 30
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
बीस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- भारतीय काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना के उदय की परिस्थितियाँ, प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना का स्वरूप, पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी आलोचना।
- हिन्दी आलोचना का ऐतिहासिक विकास क्रम – शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल–सैद्धान्ति चिन्तन एवं व्यावहारिक पक्ष, शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी आलोचना।
- हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचनात्मक अवधारणाओं और पद्धतियों–प्रतिमानों का उनकी कृतियों के आलोक में गहन अध्ययन।

यूनिट 2

- **व्याख्या हेतु निम्नलिखित कृतियों का अध्ययन करना है –**
  - त्रिवेणी–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
  - कबीर–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

- नया साहित्य : नये प्रश्न–आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी।
- डॉ0 नगेन्द्र के श्रेष्ठ निबन्ध–डॉ0 नगेन्द्र।
- भाषा और समाज–डॉ0 राम विलास शर्मा।

यूनिट 4

- द्रुतपाठ (लघु उत्तरीय प्रश्नों हेतु) – निम्नलिखित पाँच आलोचकों का अध्ययन अपेक्षित है–
  - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
  - डॉ0 श्याम सुन्दर दास
  - डॉ0 नामवर सिंह
  - देवराज उपाध्याय
  - डॉ0 राम स्वरूप चतुर्वेदी

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- . नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, राजकमला प्रकाशन, दिल्ली।
- . हिन्दी आलोचना का विकास – नन्द किशोर नवल, राजकमल, दिल्ली।
- हिन्दी आलोचक – शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- . रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलाचना–राम विलास शर्मा, दिल्ली।
- समीक्षक आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी–सं0 डॉ0 त्रिभुवन नाथ सिंह।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(1) नाटक और रंगमंच 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	3 × 10	= 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15	= 30
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
बीस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- नाटक और रंगमंच का स्वरूप, नाट्योत्पत्ति सम्बन्धो विविध मत, नाट्य अध्ययन का स्वरूप, नाटक का विधागत वैशिष्ट्य, नाटक और रंगमंच। नाटक और रंगमंच का अन्तःसम्बन्ध, नाटक में दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन।

यूनिट 2

- नाट्य–भेद, भारतीय रूपक–उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय) परम्परिक नाट्य रूप–रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटंकी, माच ख्याल, विदेशिया आदि। पाश्चात्य नाटक (सामान्य परिचय)।

यूनिट 3

- हिन्दी नाटक और रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास–विकास–भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, स्वातंत्रयोत्तर काल, नया नाटक, रंगमंच लोक नाट्य (व्यावसायिक, अव्यावसायिक) पारसी, पृथ्वी, थियेटर, इप्टा, प्रमख सरकारी रंग संस्थाएँ, नुक्कड़ नाटक।
- हिन्दी नाट्य चिन्तन–भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश।

यूनिट 4

- . व्याख्या हेतु निम्नलिखित कृतियों का अध्ययन अपेक्षित है :
  - भारत दुर्दशा–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
  - अजात शत्रु–जयशंकर प्रसाद
  - लहरों के राजहंस–मोहन राकश
  - अंधयुग–धर्मवीर भारती।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- हिन्दी नाटक–उद्भव और विकास–दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
- . मोहन राकेश–रंगशिल्प और प्रदर्शन–जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी नाटक–बच्चन सिंह।
- . नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान–डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एण्ड सन्स, मेन बाजार, गांधीनगर, दिल्ली।
- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन–डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
- . प्रसाद दुःखान्त नाटक–रामकृष्ण शुक्ल श्रीमुख।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(3) हिन्दी उपन्यास 4 क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	3 × 10	= 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15	= 30
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
बीस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- उपन्यास का स्वरूप, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, हिन्दी उपन्यास की प्रमुख शैलियाँ, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तु शिल्पगत वैशिष्ट्य।

यूनिट 2

- व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नलिखित उपन्यासों का अध्ययन–
  • गबन (प्रेमचंद), • त्याग पत्र (जैनेन्द्र), • बलचनमा (नामार्जुन)

यूनिट 3

- • झूठा सच (यशपाल), • बुंद और समुद्र (अमृतलाल नागर),
  • आपका बंटी (मन्नू भंडारी)

यूनिट 4

- **द्रुत पाठ –**
  (1) जहाज का पंक्षी–इलाचन्द्र जोशी
  (2) राग दरबारी–श्री लाल शुक्ल
  (3) पहला गिरमिटिया–गिरिराज किशोर
  (4) जल टूटता हुआ–रामदरश मिश्र
  (5) इंदन्नमम्–मैत्रेयी पुष्पा

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र
स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य 4 केडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

तीन सप्रसंग व्याख्या	3 × 10	= 30
तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 10	= 30
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- . **निबन्ध :**
  - कुबेरनाथ राय–प्रिया नीलकण्ठी
  - विद्यानिवास मिश्र–चितवन की छाँह
  - हरिशंकर परसाई–विकलांग श्रद्धा का दौर
  - डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल–कला और संस्कृति
  - रामवृक्ष बेनीपुरी–गेहूँ और गुलाब

यूनिट 2

- **उपन्यास :**
  - फणीश्वरनाथ रेणु–मैला आँचल
  - शेखर एक जीवनी–भाग 1, 2–अज्ञेय

यूनिट 3

- **कहानी :**

  एक दुनियाँ समानांतर–सं0 राजेन्द्र यादव, अमरकान्त (डिप्टी कलेक्टरी), दूधनाथ सिंह (रीछ), रवीन्द्र कालि (काला रजिस्टर), हिमांशु जोशी (चीलें), रामदरश मिश्र (सीमा)

यूनिट 4

- नाटक : कबिरा खड़ा बाजार में–भीष्म साहनी।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- आधुनिक परिवेश और नवलेखन–डॉ0 शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
- . नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति–सं0 देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- समकालीन हिन्दी कहानी–दिशा और दृष्टि–सं0 जगदीश गुप्त।
- . रंगदर्शन–नैमिचन्द जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एण्ड संस, दिल्ली।
- . कहानी : नयी कहानी, डॉ0 नामवर सिंह–लोक भारती, इलाहाबाद।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र
पाश्चात्य काव्य शास्त्र

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

दो आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15	= 30
तीन व्याख्याएँ	3 × 10	= 30
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- प्लेटो–प्रत्यय सिद्धान्त, काव्य प्रेरणा, अनुकृति, काव्य पर आरोप।
- अरस्तू–अनुकृति, विरेचन, त्रासदी, प्लोटो ओर अरस्तू।
- . लोंजाइनस–काव्य में उदात्त की अवधारणा।

यूनिट 2

- वड्र्सवर्थ–काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- . कॉलरिज–कल्पना और फैन्सी।
- क्रोचे–अभिव्यंजनावाद।

यूनिट 3

- . टी0एस0 इलियट–परम्परा और वैयक्तिक प्रभा, निर्वयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
- आई0ए0 रिचड्र्स–मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।

यूनिट 4

- . नई समीक्षा की मुख्य अवधारणायें।
- . शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म) ओर स्वच्छंदतावाद। रोमांटि सिज्म), यथार्थवाद का समाजशास्त्र, साहित्यिक शैली विज्ञान का सामान्य परिचय।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र–सिद्धान्त और परिदृश्य–डॉ0 नगेन्द्र
- . पाश्चात्य काव्यशास्त्र–अधुनातम संदर्भ–सत्यदेव मिश्र।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 शांति स्वरूप गुप्त।
- . भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य–चिन्तन–डॉ0 सभापति मिश्र

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र
साहित्यिक निबन्ध अथवा लघु शोध–प्रबन्ध 4 क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

- साहित्यिक निबन्ध (1) साहित्यिक (2) समसामयिक एवं सांस्कृतिक।

अथवा

- लघुशोध प्रबंध (यह लघु शोध प्रबंध 50 से 100 टंकित पृष्ठों का होना चाहिए)।
  - 50 अंक लघुशोध प्रस्तुतिकरण का होगा।
  - 50 अंक इस हेतु मौखिकी के लिए होगा।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक) किसी एक का चयन करें
(1) पत्रकारित प्रशिक्षण 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 15	= 60
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार।
- विश्व पत्रकारिता का उदय। भारत में पत्रकारिता का आरम्भ।
- . हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।
- समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व–समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
- . सम्पादन कला के सामान्य सिद्धान्त–शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास आमुख और समाचार–पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया।

यूनिट 2

- समाचार–पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
- दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
- . समाचार के विभिन्न स्रोत।
- सवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति।
- . पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन–संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रवि।

यूनिट 3

- इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता–रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबिल, मल्टीमीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।
  पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफशोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा।

- पत्रकारिता का प्रबन्धन–प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
- . भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।
- . मुकत प्रेस की अवधारणा।

यूनिट 4

- . लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन।
- . प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
- . प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
- . प्रजातंत्र व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।
- . पत्रकारिता सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- समाचार और संवाददाता–काशीनाथ गोविन्द जोगलेकर–विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
- आधुनिक पत्रकारिता–डॉ0 अर्जुन तिवारी–विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
- . समाचार फीचर लेखन एवं सम्पादन कला–डॉ0 हरिमोन–तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
- सूचना प्रौद्यागिकी और जन माध्यम–डॉ0 हरिमोहन–तक्षशिला प्रकाशन।
- . नई पत्रकारिता और समाचार लेखन–सविता चढ्ढा–तक्षशिला प्रकाशन।
- पत्रकारिता का इतिहास–एन. सी. पन्त–तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
- . लघु पत्रिकाएँ, साहित्यिक पत्रिकाएँ–धर्मेन्द्र गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(2) अनुवाद विज्ञान 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 15	= 60
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	4 × 2.5	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ और परिभाषा।
  अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प अथवा मिश्रित विधा।
- अनुवाद : प्रक्रिया–विश्लेषण, अंतरण ओर पुनर्गठन।
  कोडीकरण : प्रक्रिया ओर महत्त्व। पनरीक्षण।

यूनिट 2

- अनुवादक और समतुव्यता का सिद्धांत।
- अनुवाद : भाषा वैज्ञानिक और व्यावहारिक संदर्भ।
  अनुवादक की भूमिकाएँ।

यूनिट 3

- . अनुवाद के प्रकार : भावानुवाद, छायानुवाद, काव्यानुवाद, शब्दानुवाद।
- अनुवाद प्रकार :

लिप्यंकन, लिप्यंतरण, अंतःभाषिक, अंतरभाषिक, रूपांतरण अथवा प्रतीकांतरण, अर्थातरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, पाठधर्मी और प्रभावधर्मी अनुवाद, आशु अनुवाद। साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, नाट्य रूपांतरण।
मशीनी अनुवाद : स्थिति संभावनाएँ और सीमाएँ।

- अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष और समस्याएँ :
  कोश का प्रयोग, पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग, साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, विधि साहित्य का अनुवाद, कार्यालयी साहित्य का अनुवाद, समाचारों का अनुवाद, बैकिंग शब्दावली का अनुवाद।

यूनिट 4

- . अनवाद की सीमाएं :
  भाषिक संरचना और शैली, सांस्कृतिक शब्दावली, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे, लाक्षणिक प्रयोग, साहित्येतर।
- अनुवाद की भारतीय और पाश्चात्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- अनुवाद विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार।
- . कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ–भोलानाथ तिवारी, गोस्वामी गुलाटी, शब्दकार।
- अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा–प्रो0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- . कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका–गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन।
- अनुवाद कला–डॉ0 एन0 ई0 विश्वनाथ अय्यर।
- . अनुवाद : सिद्धान्त एवं समस्याएं : डॉ0 रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव एवं कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
- अनुवाद कला विचार–आनंद प्रकाश शिवाजी, एस0 चांद एण्ड कं0 दिल्ली।
- हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद–आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली।
- अनुवाद प्रक्रिया–रीता रानी पालीवाल–साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली।
- अनुवाद : सिद्वान्त और प्रयोग–डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(3) पाठालोचन 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
लिखित 80
आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 15	= 60
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

(प्रथम–पर्व)

- **पाठ की अवधारणा :**
  वस्तुनिष्ठता का संदर्भ : स्वायत्ता का संदर्भ, संरचना का संदर्भ, विन्यास का संदर्भ, साभिप्राय शब्दावली का संदर्भ, अग्र प्रस्तुति का संदर्भ।

यूनिट 2

- **'पठन' की पद्धति :**
  पाठ की प्राचीन भारतीय पद्धतियाँ, प्रथम पाठ का प्रकार्यः अर्थ बोध द्वितीय पाठ का प्रकार्यः सौन्दर्य बोध।

3. **'पाठक' के प्रकार :**
   (अ) साहित्यिक पाठक : त्वरा ओर आवेग।
   (ब) गैर साहित्यिक पाठक : साहित्येत्तर सन्दर्भों की खोज।

यूनिट 3

(द्वितीय–पर्व)

पाठानुसंधान की समस्याएँ :

पाठानुसंधान तथा आधार सामग्री की खोज : संस्थागत–सम्पर्क, व्यक्तिगत – सम्पर्क, पाण्डुलिपियों का वंशवृक्ष निर्माण। पाठ का तिथि–निर्धारण, पाठान्तर का अध्ययन, प्रक्षिप्त पाठ का पहचान, पाठ निर्धारण ओर लिपि विज्ञान, पाठ निर्धारण और छंद विद्या, पाठानुसंधान में प्रयुक्त प्रमाणावली, लिप्यंतरण की समस्याएँ, पाठ–सम्पादन, हिन्दी पाठानुसंधान के मानक ग्रन्थ।

यूनिट 4

(तृतीय–पर्व)

पाठालोचन की पद्धतियाँ :

पाठ की शैली वैज्ञानिक अध्ययन, पाठ का संरचनावादी अध्ययन, पाठ का प्रकार्यमूलक व्याकरणिक अध्ययन, पाठ का रूपवैज्ञानिक अध्ययन, पाठ का सौन्दर्य शास्त्रीय अध्ययन।

प्रायोगिक कार्य : व्यावहारिक।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- पाठानुसंधान – सियाराम तिवारी – स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
- . पाठनुसंधान – माता प्रसाद गुप्त।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक)
(4) हिन्दी भाषा शिक्षण 4क्रेडिट

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

लिखित 80

आंतरिक 20

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 15	= 60
पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	10 × 1	= 10
आंतरिक विभागीय अंक		= 20

पाठ्यांश :

यूनिट 1

- **भाषा शिक्षण के विविध आयाम :**

  भाषा और शिक्षण का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संदर्भ, मातृभाषा शिक्षण, द्वितीय भाषा शिक्षण, विदेश भाषा शिक्षण।

- **भाषा–शिक्षण विधि :**

  भाषा अधिनियम और भाषा–शिक्षण, भाषा शिक्षण की प्रविधियाँ–व्याकरण, व्याकरण, अनुवाद प्रविधि, प्रत्यक्ष विधि, वार्तालाप विधि, सांचा अभ्यास विधि, श्रव्य–दृश्य विधि आदि। विभिनन विधियों की सार्थकता और सीमाएँ।

यूनिट 2

- **बोधन क्षमता :**

  सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के चार चरण, चारों चरणों के अभ्यास, कक्ष में प्रस्तुतीकरण, संदर्भ सामग्री।

- **वाचन क्षमता :**

  सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पाँच चरण, सभी चरणों का अभ्यास, अशुद्धियाँ, सहायक सामग्री।

यूनिट 3

- **लेखन दक्षता :**
  लिपि वर्तनी, लेखन विकास के पंच चरण, सभी चरणों का अभ्यास, अशुद्धियाँ सहायक सामग्री।

- **अभिव्यक्ति दक्षता :**
  सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पांच चरण, सभी चरणों का अभ्यास, अशुद्धियाँ, सहायक सामग्री।
- **भाषा का सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ :**
  भाषा और संस्कृति, भाषा और परिवेश, सहायक पुस्तकें।

यूनिट 4

- **तकनीकी उपकरण और भाषा : प्रयोगशाला :**
  श्रव्य–दृश्य उपकरण : सामान्य परिचय, भाषा प्रयोगशाला–प्रकार एवं प्रयोजन, भाषा प्रयोगशाला द्वारा शिक्षण, टेपांकित पाठ और उसके घटक।
- **भाषा परीक्षण :**
  मूल्यांकन के प्रकार, मूल्यांकन पद्धति, एकल मूल्यांकन और समग्र मूल्यांकन, प्रश्न पत्र और उसके प्रकार, मूल्यांकन के श्रुत लेख एवं निकट (क्लोज) परीक्षण।

यूनिट 5

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ :

- भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान : बृजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
- . भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षण – किशोरी लाल शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
- अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष – अमर बहादुर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
- . फारेन लैंग्वेज लरनिंग ए0एल0 नौवरी हाउस पब्लिशर, यू0एस0ए0।
- भाषा शिक्षण : कुछ नये विचार बिन्दु–इन्दिरा नुपुर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- . हिन्दी भाषा शिक्षण : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्यक्रम एम0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न–पत्र

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

मौखिक 2 क्रेडिट

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधृत होगी।

ग्राम भारती की संकल्पना को हिन्दी साहित्य कविता, नाटक, उपन्यास, कहानी तथा निबंधों में स्वयं अनुस्थूत है। इसलिए ग्रामभारती के उद्देश्यों को स्थापित करने के लिए प्रत्येक प्रश्न पत्र से 5 अंक का प्रश्न पूछा जाना अनिवार्य होगा।

ग्राम विकास हेतु उपर्युक्त पाठ्यक्रम की उपयोगिता की एक पृथक इकाई होगी, जो पाँच अंक का होगा।